दैनिक
किदवई नगर समाचार
RNI. NO. - UPHIN/2019/7858
ख़बर हमारी, फैसला आपका
क : 198 कानपुर, मंगलवार 4 अप्रैल 2023 पृष्ठ :

बदलते मौसम से पशुओं पर होने वाले प्रभाव पर एडवाइजरी जारी

किदवई नगर समाचार
संवाददाता

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर के कुलपति के निर्देशक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डा0 शशिकांत ने बदलते मौसम पर पशुओं पर प्रभाव व प्रबन्ध पर एडवाइजरी जारी की गयी। डा0 शशिकांत ने बताया कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है, ऐसे में किसान अपने पशुओं को सुबह व शाम स्वच्छ पानी अवश्य पिलाये साथ ही सोडियम और पोटेशियम का मिश्रण 30 ग्रा0 प्रति सप्ताह पशुओं को दे, जिससे

पशुओं को गर्मी से राहत मिलेगी। बताया छोटे पषुओं के बच्चों को सुबह शाम ही बाहर निकाले, दोपहर में कदापित न निकाले और उन्हे भरपेट दूध अवश्य पिलाएं। वहीं बताया दुधारू पशुओं को हरा व सूखा चारा का मिश्रण दे, साथ ही कहा कि पशुओं को यदि कोई बीमारी या कोई समस्या होती है तो नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।

बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 3 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन नामक एडवाइजरी जारी की है। वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है ऐसे में किसान भाई पशुओं को सुबह व शाम स्वज्छ पानी अवश्य पिलाएं। उन्होंने सलाह दी है कि सोडियम और पोटेशियम का मिश्रण 30 ग्राम प्रति सप्ताह पशुओं को अवश्य दें। जिससे पशुओं को गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने पशुपालकों को यह भी सलाह दी है कि छोटे पशुओं के बज्चों को सुबह-शाम ही बाहर निकाले दोपहर में कदापि न निकाले। छोटे बच्चों को भरपेट दूध अवश्य पिलाएं।उन्होंने पशुपालकों को बताया कि दुधारू पशुओं को हरा व सूखा चारा का मिश्रण दें।जिसमें 50 ग्राम मिनरल मिक्कर, 50 ग्राम नमक प्रति पशु प्रतिदिन देने से पशुओं के दूध उत्पादन में कमी नहीं होगी। उन्होंने सभी पशुपालकों भाइयों को सलाह दी है कि पशुओं को अगर कोई बीमारी या कोई समस्या होती है तो नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह अवश्य लें ।

पीएम मोदी को केजरीवाल की चिट्ठी... 12

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के स्थलीय निरीक्षण में... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 171
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 04 अप्रैल, 2023

'बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव' की एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बीते दिन सोमवार को बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन नामक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने पशुपालकों को बताया कि गर्मी का मौसम शुरू होने पर पशुओं को सुबह व शाम स्वच्छ पानी अवश्य पिलाएं। उन्होंने सोडियम और पोटेशियम का मिश्रण 30 ग्राम प्रति सप्ताह पशुओं को पिलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटे पशुओं के बच्चों को दोपहर में बाहर न निकालकर सुबह–शाम बाहर निकाले व भरपेट दूध पिलाएं।उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं को हरा व सूखे चारे का मिश्रण जिसमें 50 ग्राम मिनरल मिक्चर, 50 ग्राम नमक प्रति पशु प्रतिदिन दे। इसके साथ ही उन्होंने पशुओं को कोई बीमारी या कोई समस्या होने पर नजदीकी पशु चिकित्सक के पास जाने की सलाह दी।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

क्रः 68 ● कानपुर मंगलवार 4 अप्रैल 2023 ● पृष

बदलते मौसम के चलते पशुओं को सुबह, शाम स्वच्छ पानी अवश्य पिलाएं

उपदेश टाइम्स

कानपुर-सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन नामक एडवाइजरी जारी की है डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है ऐसे में किसान भाई पशुओं को सुबह व शाम स्वच्छ पानी अवश्य पिलाएं उन्होंने सलाह दी है कि सोडियम और पोटेशियम का मिश्रण 30 ग्राम प्रति सप्ताह पशुओं को अवश्य दें जिससे पशुओं को गर्मी से राहत मिलेगी उन्होंने पशुपालकों को यह भी सलाह दी है कि छोटे पशुओं के बच्चों को सुबह-शाम ही बाहर निकाले दोपहर में कदापि न निकाले छोटे बच्चों को भरपेट दूध अवश्य पिलाएं उन्होंने पशुपालकों को बताया कि दुधारू पशुओं को हरा व सूखा चारा का मिश्रण दें जिसमें 50 ग्राम मिनरल मिक्कर, 50 ग्राम नमक प्रति पशु प्रतिदिन देने से पशुओं के दूध उत्पादन में कमी नहीं होगी उन्होंने सभी पशुपालकों भाइयों को सलाह दी है कि पशुओं को अगर कोई बीमारी या कोई समस्या होती है तो नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।

बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बदलते मौसम का पशुओं पर प्रभाव एवं उनका प्रबंधन नामक एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर शशिकांत ने बताया कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है ऐसे में किसान भाई पशुओं को सुबह व शाम स्वच्छ पानी अवश्य पिलाएं। उन्होंने सलाह दी है कि सोडियम और पोटेशियम का मिश्रण 30 ग्राम

प्रति सप्ताह पशुओं को अवश्य दें। जिससे पशुओं को गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने पशुपालकों को यह भी सलाह दी है कि छोटे पशुओं के बच्चों को सुबह-शाम ही बाहर निकाले दोपहर में कदापि न निकाले। छोटे बच्चों को भरपेट दूध अवश्य पिलाएं। उन्होंने पशुपालकों को बताया कि दुधारू पशुओं को हरा व सूखा चारा का मिश्रण दें। जिसमें 50 ग्राम मिनरल मिक्चर, 50 ग्राम नमक प्रति पशु प्रतिदिन देने से पशुओं के दूध उत्पादन में कमी नहीं होगी। उन्होंने सभी पशुपालकों भाइयों को सलाह दी है कि पशुओं को अगर कोई बीमारी या कोई समस्या होती है तो नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

91, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 03 अप्रैल, 2023 पृष्ठ:

'बेमौसम वर्षा उपरांत सीएसए ने जारी की आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50ैस् की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50ॅच की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानओंफिक्स 4.5ः की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19रू 19रू 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।